हनुमान अमृतवाणी Part 1 | By Tripti Shakya |

महावीर हनुमान हैं
अंजनी सुत बलवान
जो इनका सुमिरन करे
कर देते कल्याण

हैं आनंद स्वरूप ये
प्रमवीर मतिमान
इनसे खुश रहते सदा
रामचंद्र भगवान

देते परमानंद हैं
मंगल मंगल वार
शरणागत का पालक में
कर देते उद्धार

परम भक्त श्री राम के
राम ही राम बनाए
अपने जन को राम से
देते तुरंत मिलाए

महावीर हनुमान के
जग में नाम अनेक
जिसके मन में जो बसे
वही राखे टेक

हनुमत तेरे नाम की
महिमा बड़ी अपार
तेरे सम कोई और न
खोज लिया संसार

अंदर बाहर राम हैं
राम रजाई ओढ़
रण में भी रण बाप रे
करे दुष्ट पे चोट

मात अंजना आपके
पिता केसरी नाम
शंकर के अवतार हो
जाने जगत तमाम

पवन पुत्र भी आप हैं
गति है पवन समान
हार गरुण ने मान कर
किया बहुत सम्मान

सुमिरन जो कोई आपका

करता काम विसार
आपकी बाधा दूर कर
देते जन्म सुधार

पवन पुत्र हनुमान की
हो रही जय जयकार
चारों युग में आपकी
लीला का विस्तार

करे तेरी आराधना
मंगल मन सुविचार
बच जाए यम त्रास से
मिले तेरा आधार

जनम जनम के पाप भी
होवे दूर तुरंत
मोह माया ममता तजो
शरण गहि हनुमंत

बंधन सारे तोड़कर
नाम जपो अनमोल
बोल बोल रे बावरे
नाम पवन सुत बोल

खुश रहते हनुमान जी
राम नाम कोई गाए
प्रेमी जो श्री राम का
हनुमत के मन भाए

राम कथा आराधना
देते सुख अपार
राम कथा हनुमान के
जीवन का आधार

भूत प्रेत बाधा हरे
हनुमत करे न देर
दौड़े आते हैं सदा
सुन निज जन की टेर

पापी को भी पाप से
लेते तुरत उबार
शरण आपकी आ गया
कहता जो एक बार

पापों से उद्धार की
राह बड़ी ये नेक
शरण पड़े की रखते
हैं अंजनी सुत टेक

मारुति सुत की वंदना
करते भाल किश

तुम रण मंडन वीर हो
पावन परम कपीश

बचपन में हनुमान का
चंचल बड़ा स्वभाव
ऋषि मुनियों के शाप से
खोए तुरंत प्रभाव

आधि व्याधि तन कष्ट सब
देते तुरत नशाय
शुद्ध शांति मन होए जो
शरण आपकी आय

स्वीकारे आराधना
करी सकल मम क्लेश
चरण कमल का दास ही
रखियो नाथ हमेश

करता हूँ पद वंदना
महावीर हनुमान
चरण कमल नीज रखियो
दास आपनो जान

चरण कमल में आपके
नमन करूँ बहुबार
नमस्कार करता हूँ मैं
करो नाथ स्वीकार

मारुति सुत हनुमान तुम
राम चरण लवाली
शरण पड़ा मैं आपकी
रखियो नाथ अधीन

मेरी भव बाधा हरो
केसरी नंदन नाम
नाम आपका लेके जो
करे कोटि संताप

राम सिया का आपके
सर पे रहता हाथ
मैं अनाथ हे नाथ अब
करिए मोहे सनाथ

सुना आज तक आप हैं
भक्तन के सिरमौर
शरण आपकी आ गया
और न कोई ठौर

मेरे तो सब कष्ट भी
हरते आए आप
हनुमत तेरे नाम का

करता हूँ नित जाप

कठिन काल का त्रास है
कठिन कष्ट का योग
शरण आपकी आ गिरा
मिला तनिक संयोग

जग के कष्ट कराल हैं
सुनिए पवन कुमार
शरण आपकी आ गया
करिए बेड़ा पार

अमृत सम है आपका
पावन परम चरित्र
जग उद्धारनहार हैं
करते तुरत प्रवेश

संशय भी कोई है नहीं
स्वामी मम बलवान
मम स्वामी के नाथ हैं
रामचंद्र भगवान

जनम मरण के त्रास को
देते आप प्रवीण
हनुमत लीला नित नई
अद्भुत नई नवीन

बल बुद्धि के भंडार हैं
हनुमत पवन कुमार
राम रामापति आप पर
रहते सदा उदार

राम कृपा आशीष से
रहते मालामाल
भरत हस्त सर पर धरे
हनुमत दीन दयाल

भक्ति भाव सद्भाव से
स्मरूँ बारंबार
इष्ट देव मेरे सदा
हनुमत पवन कुमार

करूँ आरती आपकी
परम पूज्य हनुमान
श्रद्धा से आसन बिठा
करूँ बहुत सम्मान

जय जय जय श्री पवन सुत
कहता हूँ कर जोड़
नाथ आपकी शरण में
देवो तनिक ठौर

नमो नमो कपि वंदना
करता बारंबार
हे कपि दीन दयाल हो
करिए न स्वीकार

परम प्रभु हनुमान जी
पावन तेज अपार
करता हूँ पद वंदना
नमस्कार बहु बार

सत्य धाम आनंद के
परम धाम महावीर
कृपा आपकी हो अगर
बदलेगी तक़दीर

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%a8%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%a8-%e0%a4%85%e0%a4%ae%e0%a5%83%e0%a4%a4%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%a3%e0%a5%80-part-1-by-tripti-shakya/